भारत सरकार
जनजातीय कार्य मंत्रालय
लोकसभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 642
उत्तर देने की तारीख 28.11.2024
नए जनजातीय विश्वविद्यालय की स्थापना

642. डॉ. कल्याण वैजीनाथराव काले:

क्या जनजातीय कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:-

(क) क्या यह सच है कि भारत में केवल दो केंद्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय हैं, जिनमें से एक इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय (आईजीएनटीयू) और दूसरा केंद्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय आंध्र प्रदेश (सीटीयूएपी);

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार की जनजातीय छात्रों को उच्च शिक्षा और अनुसंधान सुविधाएं प्रदान करने के लिए देश में नए जनजातीय विश्वविद्यालय स्थापित करने की कोई योजना है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय स्थापित करने के लिए महाराष्ट्र में किसी भूमि का चयन किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और

(घ) क्या जनजातीय छात्रों को निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा प्रदान करने की कोई योजना है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

जनजातीय कार्य राज्य मंत्री

(श्री दुर्गादास उइके)

(क): उच्चतर शिक्षा विभाग केंद्रीय विश्वविद्यालयों की स्थापना के लिए नोडल मंत्रालय है। उच्चतर शिक्षा विभाग द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, वर्तमान में देश में तीन केंद्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय हैं, नामतः इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक, मध्य प्रदेश; आंध्रप्रदेश केंद्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, आंध्रप्रदेश; और सम्मक्का सारक्का केंद्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, तेलंगाना।

(ख) से (ग): वर्तमान में, जैसा कि उच्चतर शिक्षा विभाग द्वारा सूचित किया गया है, महाराष्ट्र राज्य में या देश में कहीं भी केंद्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय स्थापित करने का कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है।

(घ): जनजातीय कार्य मंत्रालय देश के सभी राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों और जिलों में अनुसूचित जनजाति जनसंख्या के बीच 5 छात्रवृत्ति योजनाएं लागू कर रहा है:-

- अनुसूचित जनजाति के छात्रों के लिए मैट्रिक-पूर्व छात्रवृत्ति (कक्षा IX और X)
- अनुसूचित जनजाति के छात्रों के लिए मैट्रिकोत्तर छात्रवृत्ति (कक्षा ग्यारहवीं और उससे ऊपर)
- अजजा छात्रों के लिए उच्च शिक्षा हेतु राष्ट्रीय अध्येतावृत्ति (एमफिल और पीएचडी के लिए)
- अनुसूचित जनजाति के छात्रों के लिए उच्चतर शिक्षा हेतु राष्ट्रीय छात्रवृत्ति (शीर्ष श्रेणी, शीर्ष 265 संस्थानों में उच्चतर शिक्षा के लिए)
- अजजा छात्रों के लिए राष्ट्रीय समुद्रपारीय छात्रवृत्ति। (विदेश में उच्चतर शिक्षा प्राप्त करने के लिए)

इस योजना के अंतर्गत 2 घटक हैं। शुल्क घटक और वजीफा, जो मौजूदा दिशा-निर्देशों के अनुसार अजजा छात्रों को दिया जाता है। इन योजनाओं का विवरण मंत्रालय की वेबसाइट (tribal.nic.in) पर देखा जा सकता है।

मंत्रालय ईएमआरएस की योजना भी लागू कर रहा है, जिसमें 728 ईएमआरएस स्थापित करने का लक्ष्य है। अब तक 715 स्कूलों को मंजूरी दी गई है, जिनमें से 28 राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों के 264 जिलों में करीब 1,33,929 छात्रों को लाभान्वित करते हुये 476 ईएमआरएस देशभर में क्रियाशील हैं। इन स्कूलों में लड़के और लड़कियों के लिए सीटों की संख्या बराबर है। प्रत्येक छात्र पर 1.09 लाख रुपये खर्च किए जाते हैं और निःशुल्क भोजन और आवास की सुविधा प्रदान की जाती है।